Rt Knee Osteoarthritis.

MIGRAINE

26/6/10.

Shaheda Tai [redacted]

मेरा नाम शाहेदा युसुफ ताई है। मैं डॉ. सुनीलमेहरा के पास 13th Feb. 2009 को आई थी। मुझे माइग्रेन की तकलीफ पिछले 10 साल से थी। 10 सालों के दौरान मैंने कई डॉक्टरों का इलाज करवाया। आयुर्वेदीक दवाई, ऐलोपेथीक दवाई और होमीयोपेथीक दवाईयाँ भी ली। लेकीन मुझे कोई फर्क नही पड़ा। माइग्रेन का दर्द इतना तेज़ उठता था की मुझे लगता था, की मेरा सर फट जायेगा। कभी-कभी लगातार मुझे तीन-तीन दिन तक दर्द रहता था। मैंने M.R.I. भी करवाया। मुझे लगता था की मेरे सर में कोई ट्यूमर होगा। लेकीन रिपोर्ट भी एकदम सही आई। कुछ समझ नही आता था की क्या करूँ। ऐसे करके दस साल निकल गये। कई डॉक्टरों ने कहा की इस धरती पर माइग्रेन का कोई इलाज नही है। मैंने अपनी पुरी जींदगी में ऐसा सरदर्द कभी नही महसुस किया E.N.T. का भी दिखाया। चष्मा भी पहना की कहीं आँखों में कोई तकलीफ होने की वजह से भी दर्द होता रहेगा। 2008 में एक डॉ. ने कहा की आप Migravent हमेशा खाती रहना। एक बार की खाना खाने के लिये भुल जाओ। लेकीन इस दवा को हमेशा अपने साथ रखना। जब भी लगे की अब माइग्रेन का दर्द आने वाला है उससे पहले ले खा लेना। इसके अलावा मुझे पैरों के दर्द की भी शिकायत थी। मेरे सीधे पैर का ऑपरेशन भी हुआ था। मेरे बदन पर सुजन भी रहती थी। एक बार मेरे एक सहेली ने मुझसे कहा की, शाहेदाजी आप हमेशा सिरदर्द की तकलीफ के बारे में बताती हो तो आप एकबार डॉ. सुनीलमेहरा के पास जाइये। इलाज के अलावा उनका जो समझाने का तरीका है उससे आधी बीमारी

See below NEXT PAGE

Scanned by CamScanner

खत्म हो जाती है। 13th Feb. 2009 को मेरे leftfoot
में बहोत तकलीफ थी। हमलोग अपने फैमीली डॉ.
के पास जा रहे थे। अचानक हमें ख्याल आया
की हमें डॉ. सुनील मेहरा से एक बार मीलना चाहीये
हम लोग डॉ. साहब से मीले। उन्हें अपनी तकलीफ
के बारे में बताया। उन्होंने मेरी सब तकलीफ
बहोत अच्छी तरह से सुनी मेरा इलाज शुरू किया
हर हफ्ते मुझे बुलाते थे। काफी देर तक समझाते
थे। हमारा खाने-पीने का पुरा शेड्युल बदला।
क्या खाना चाहीये। क्या नहीं खाना चाहीये।
कौन से चीज़ के क्या-क्या फायदे है। क्या नुकसान है
उनके कहे मुताबीक मैंने सब परहेज़ कीया। दवाई
के अलावा उनका समझाने का तरीका बहोत अच्छा
है। एक Family की तरह अपने मरीज़ को वक्त
देते है। अच्छी तरह समझाते है। कई बार तो
घर पर फोन करके कहते है की शाहजी आपकी
रिपोर्टिंग (Reporting) नहीं हुई। अगर कुछ तकलीफ
हो तो फोन करके पुछने पर भी बता देते है कई
बार घर पर फोन करो तो भी बहोत अच्छी
तरह समझाते है। हालांकी हमें सब चीज़ के
बारे में मालुम है की क्या खाने से क्या फायदे
है क्या नुकसान है। लेकीन डॉ. साहब का जो
समझाने का तरीका है वह अन्दर की आत्मा
को झकझोर कर रख देता है। मेरे ऑपरेशन
वाले पैर में इतनी तकलीफ हुआ करती थी
की मैं बयान नहीं कर सकती। अजीब तरह
की जलन हुआ करती थी। जब डॉ. साहब ने
मेरी रिपोर्ट मांगी (opration) की जब देखा तो बताया
की (Miniscus) कोई मेडीकल वर्ड (Medical word है) जो
हमारे घुटने को (Lubricant) करता है। इधर उधर घुमाता
है। ऑपरेशन के दौरान उस डॉ. ने वह नाली काट
दी। जब ऑपरेशन के बाद मैंने डॉ. से अपनी

See below Next page

C.D. मॉगी उन्होंने देने से इन्कार कर दिया कहने लगे की अभी मील नही रही जब मीलेगी तब दे देंगे। लेकीन उन्होंने मुझे C.D. नही दी। उस डॉ० पर मुझे बहोत भरोसा था मैंने अपने कई पहचान वालों को उनके पास भेजा लेकीन एक बार भरोसा टुट जाये फीर नही हम जायेगा। होमीयोपॅथीक दवाई का इलाज करने के लीये बहोत सब्र की ज़रूरत है। मुझे डॉ० सुनील मेहरा की दवाई से बहोत आराम मीला। एक बार मैंने अपने मन मे सोचा की एक साल पुरा हो गया है दवाई खाकर चलो एक महीने दवाई नही लेती मैंने पुरा एक महीना डॉ० सुनील मेहरा की दवाई नही खाई उसके बाद मुझे महसुस हुआ की अभी वह वक्त नही आया की मुझे इलाज बंद करना चाहिये। उसके बाद अगले महीने ही मैंने आकर दवाई ली और अब तक मै दवाई ले रही हु। मुझे एकदम अच्छा होकर यहा से जाना है। कुदरत ने हमे सोचने-समझने की कुवत दी है। मेरा तो यही मानना है की अगर (अल्लाह तआला) के बाद अगर मै कीसी को मानती हु तो मेरे शोहर (Husband) है फीर डॉ० सुनील मेहरा जिनकी वजह से मुझे माइग्रेन की तकलीफ मे ९०-९५% आराम हुआ है (अल्लाह तआला) ने उन्हें हमारे लिये एक ज़रीया बनाया है। मै उन्हे तहे दिल से दुवाये देती हु) और अल्लाह का शुक्र अदा करती हु।

S.Y. TAT

S.Y. Tai